ARJUN BATCH

CLASS 10th | GEOGRAPHY

जल संसाधन

WATER RESOURCES

अध्याय-3 | भाग-5



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

अब तक का रिवीजन

आज क्या पढेंगे ?



1. MCQs
2. मैसूरु (कर्नाटक) का वर्षा जल संपन्न गाँव
3. बाँस ड्रिप सिंचाई प्रणाली

→ मेघालय राज्य

MCQs

37.51 cm. वार्षिक वर्षा

July – Aug.

3

राजस्थान में वर्षा जल संचयन की पारंपरिक विधि कौन सी है?

अ नहर

ब टांका

स बाँध

द झील

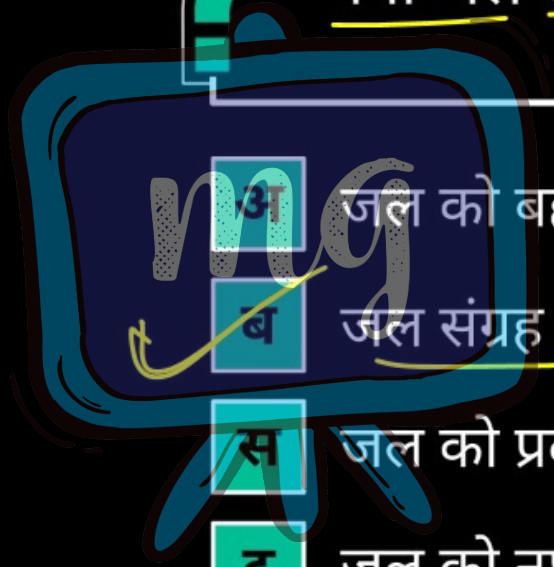
RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



(संग्रहण)

वर्षा जल संचयन का मुख्य उद्देश्य क्या है?



अ जल को बहाना

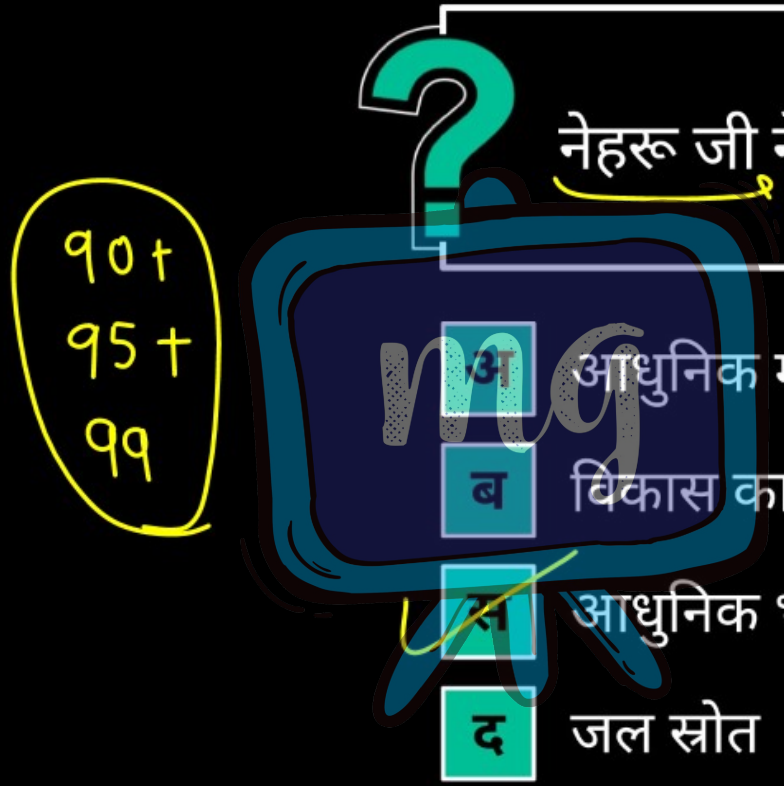
ब जल संग्रह करना

स जल को प्रदूषित करना

द जल को नष्ट करना

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



नेहरू जी ने बाँधों को क्या कहा?

९० +
९५ +
९९

अ आधुनिक मशीन

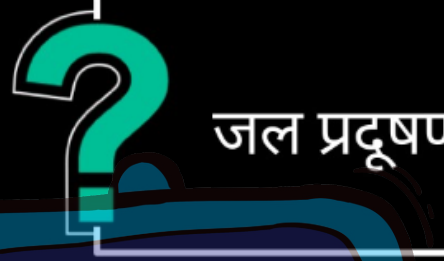
ब विकास का आधार

स आधुनिक भारत के मंदिर

द जल स्रोत

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



जल प्रदूषण का मुख्य स्रोत क्या है?

अ घरेलू अपशिष्ट

ब रसायन

स कीटनाशक

द उपरोक्त सभी

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

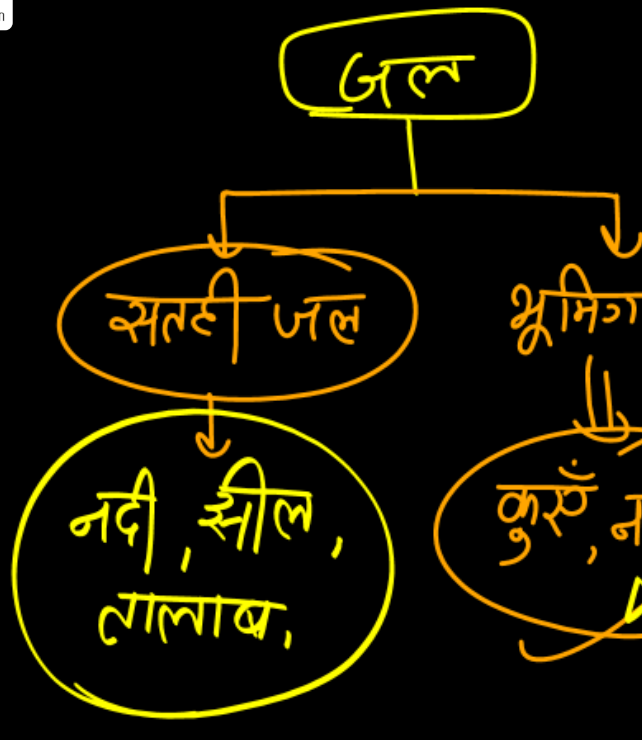
उद्योगों में जल का उपयोग किस लिए होता है?

अ ऊर्जा उत्पादन

ब उत्पादन प्रक्रिया

स शीतलन

द उपरोक्त सभी



भूजल स्तर गिरने का मुख्य कारण क्या है?

अ वर्षा

ब अधिक सिंचाई

स जल संरक्षण

द नदी प्रवाह

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



जल का नवीकरण किस प्रक्रिया द्वारा होता है?

अ अपवाह

ब जल चक्र

स सिंचाई

द वाष्पीकरण

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

शहरी क्षेत्रों में जल की कमी का प्रमुख कारण क्या है?

अ कम वर्षा

ब अत्यधिक दोहन

स कम जनसंख्या

द कम उद्योग

बड़े बाँधों के कारण कौन-सी समस्या उत्पन्न होती है?

अ जल की अधिकता

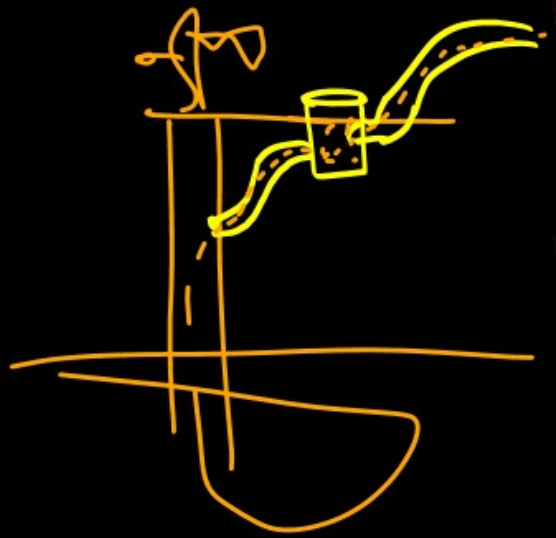
ब विस्थापन

स वर्षा में वृद्धि

द भूमि उर्वरता बढ़ना

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



भूजल पुनर्भरण का क्या अर्थ है?

अ जल का उपयोग

ब जल का संग्रह

स भूजल स्तर बढ़ाना

द जल को प्रदूषित करना

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



मैसूरु (कर्नाटक)

- सूदूर गाँव गंडाथूर में ग्रामीणों ने अपने घर में जल आवश्यकता पूर्ति छत वर्षाजल संग्रहण की।
- व्यवस्था की गाँव के लगभग 200 घरों में यह व्यवस्था।
- इस गाँव ने वर्षा जल संपन्न गाँव की ख्याति अर्जित की है।
- इस गाँव में हर वर्ष लगभग 1,000 मिलीमीटर वर्षा होती है।



बाँस ड्रिप सिंचाई प्रणाली

- मेघालय में नदियों व झरनों के जल को बाँस द्वारा बने पाइप द्वारा एकत्रित करके 200 वर्ष पुरानी विधि प्रचलित है।
- लगभग 18 से 20 लीटर सिंचाई पानी बाँस पाइप में आ जाता है तथा उसे सैकड़ों मीटर की दूरी तक ले जाया जाता है।

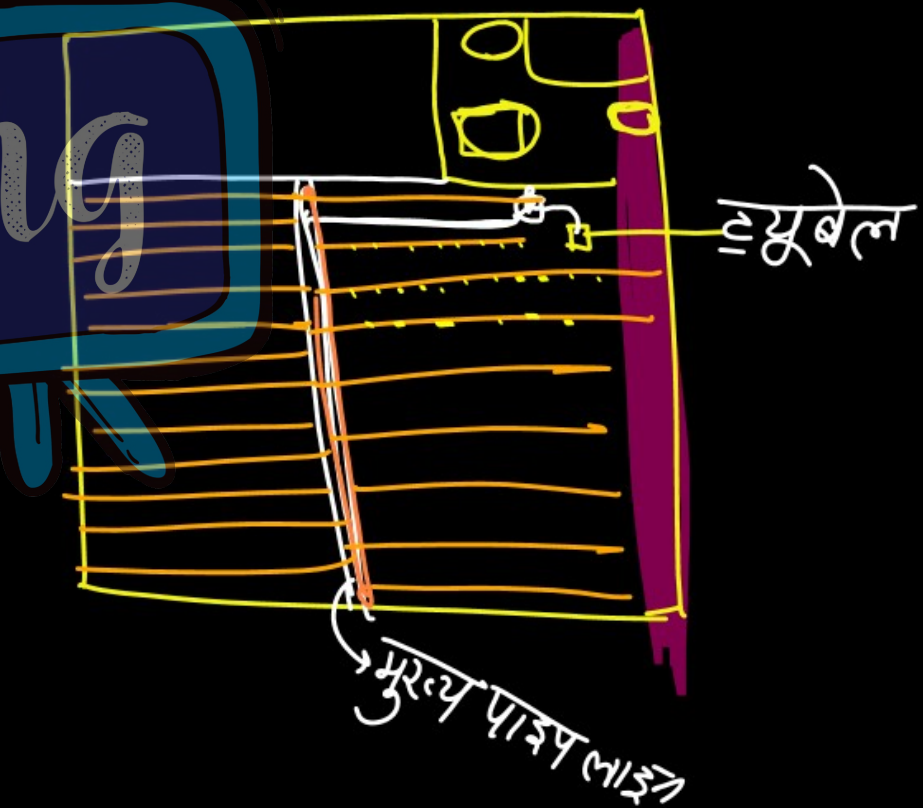
RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

ड्रिप सिंचाई पद्धति

बाँस ड्रिप सिंचाई पद्धति → मेघालय

- पूर्णरूप से प्राकृतिक
- जल स्रोत
  - झरना, नदी
  - पर्वतीय क्षेत्र
- बाँस
- 30-40 बूंद प्रति मिनट



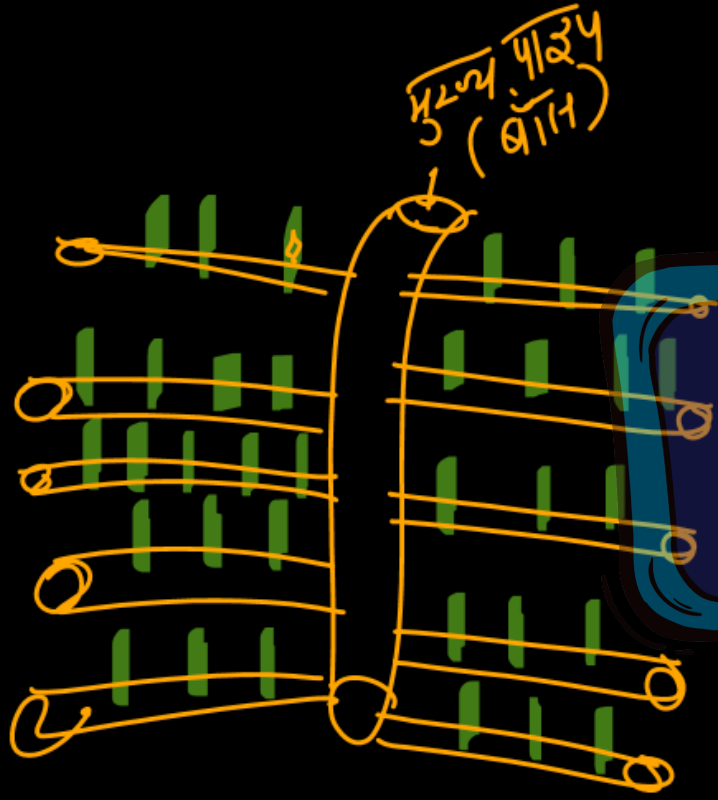
RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- अंत में पानी का बहाव 20 से 80 बूँद प्रति मिनट तक घटाकर पौधे पर छोड़ दिया जाता है।
- पहाड़ी शिखरों पर सदानीरा झरनों की दिशा परिवर्तित करने के लिए बाँस के पाइपों का उपयोग किया जाता है।
- इन पाइपों के माध्यम से गुरुत्वाकर्षण द्वारा जल पहाड़ के निचले स्थानों तक पहुँचाया जाता है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- बाँस से निर्मित चैनल से पौधे के स्थान तक जल का बहाव परिवर्तित किया जाता है।
- पौधे तक बाँस पाइप से बनाई व बिछाई गई विभिन्न जल शाखाओं में जल वितरित किया जाता है।
- पाइपों में जल प्रवाह इनकी स्थितियों में परिवर्तन करके नियंत्रित किया जाता है।
- यदि पाइपों को सड़क पार ले जाना हो तो उन्हें भूमि पर ऊँचाई से ले जाया जाता है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

